हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 अप्रैल 2025

11 मधुर भजनों से हुआ बाबा की महिमा का गुणगान

12 स्कॉलरशिप टेस्ट में 1167 विद्यार्थियों ने लिया भाग

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़ में कई घंटे गुल रही बिजली

बहादुरगढ़। गर्मी के मौसम में बिजली समस्या उत्पन्न न हो, इसलिए बिजली निगम द्वारा लगातार मेंटेनेंस कार्य किया जा रहा है। रविवार को भी यह काम किया गया। इस वजह से शीतला माता फिडर से जुड़ी आपूर्ति कई घंटे बंद रही। सुबह साढ़े सात बजे आपूर्ति गई और ढाई बजे तक बाधित रही। इस वजह से जटवाड़ा, मेन बाजार, नजफगढ़ रोड, कबाड़ी मार्केट सहित अन्य कॉलोनियों में लाइट गुल रही। लोगों के कामकाज प्रभावित हो गए। हालांकि इस संबंध में निगम की ओर से पूर्व सूचना जारी कर दी गई थी।

फसल कटाई के लिए आया श्रमिक लापता

झज्जर। पंजाब के संगरूर जिले से डीघल क्षेत्र में फसल कटाई के लिए आए प्रवासी श्रमिकों में से एक श्रमिक के लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में संगरूर के कनोई गांव निवासी गुरप्रीत ने बताया कि वह अपने गांव के साथियों के साथ बीती दस अप्रैल को डीघल क्षेत्र में गेहूं की फसल की कटाई के लिए थे। रविवार की सुबह करीब दस बजे उनका साथी बलवीर सिंह घूमने जाने की बात कह गया था जो वापिस नहीं लौटा। गुरुप्रीत सिंह के अनुसार करीब 47 वर्षीय बलवीर सिंह अनपढ़ है।

बुजुर्ग महिला के साथ की मारपीट, केस दर्ज

झज्जर। क्षेत्र के गांव हसनपुर में एक साठ वर्षीया महिला ने गांव के ही एक युवक पर मारपीट करने आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकायत में रोशनी ने बताया कि उसके पास तीन लड़कियां है जो शादीशुदा है। उसके लड़के व पति का भी देहांत हो चुका है। जब वह शाम को दूध लेकर आ रही थी गांव के सुरजीत ने पीछे से आकर लोहे की राड से उसके सिर और हाथ पर वार किया। इस घटना में उसका टूट गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

एक से दूसरी फैक्ट्री में फैलती चली गई आग, छुट्टी के कारण बड़ा हादसा टला

■ बहादुरगढ़ में फुटवियर पार्क में स्थित चार फैक्ट्रियों में अचानक आग लगी

बहादुरगढ़। आग के चलते फैक्ट्री से उठता धुआं।

बहादुरगढ़। फैक्ट्री के बाहर खड़ी दमकल गाड़ियां।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के फुटवियर पार्क की 4 फैक्टरियों में रविवार को अचानक आग लग गई। साथ-साथ होने के कारण एक फैक्ट्री में लगी आग, दूसरी, तीसरी व चौथी तक फैल गई। आग लगने के कारण लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। चारों फैक्टरियों में चप्पल-जूते बनाए जाते हैं। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के साथ कर्मचारी लगे हुए हैं। पहले भी एक बंद पड़ी फैक्ट्री में आग लग चुकी है। फैक्ट्रियों में आग लगने से अफरा तफरी का माहौल बन गया। सारी फैक्ट्रियां आगे पीछे साथ साथ हैं जिसके कारण एक फैक्ट्री से शुरू हुई आग दूसरी और तीसरी फिर चौथी तक पहुंच गई। फिलहाल पुलिस मौके पर व्यवस्था बनाने में जुटी है और फायर ब्रिगेड लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। आसपास के इलाकों से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गई हैं ताकि आग पर जल्द काबू पाया जा सके। आग के कारण फैक्ट्री मालिकों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। आग लगने से फैक्ट्री में रखा कच्चा माल जलकर राख हो गया। आग लगते ही फायर विभाग को सूचना दी गई।रविवार की छुट्टी होने के कारण फैक्ट्रियों में काम बंद था। इसके चलते बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि बिजली का शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी है, लेकिन अभी तक इसकी भी कोई पुष्टि नहीं हो पाई है। इससे कुछ दिन पहले बालौर में अवैध पीसीवी गोदामों में आग लग गई थी, जिसमें वाहन भी जल गए थे।

पंचायत समिति उपचुनाव के लिए ड्राफ्ट मतादाता सूची तैयार

बेरी । एसडीएम एवं निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) रेणुका नांदल ने बताया कि हरियाणा पंचायती राज निर्वाचन नियम 1994 के तहत राज्य निर्वाचन आयोग

द्वारा पंचायत समिति के उप चुनाव 2025 के लिए अधिसूचना दिनांक बारह सितंबर को प्रकाशित की गई थी। इसके तहत खंड बेरी की ग्राम पंचायतों ढराणा, गोच्छी व मदाना कलां की वार्डवार मतदाता सूची का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इन ग्राम पंचायतों की वार्ड वाइज प्रारंभिक मतदाता सूचियों का प्रकाशन कर दिया है। यह ड्राफ्ट सूची निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रविष्टि को संशोधित करना चाहता है, वह 18 अप्रैल सांय चार बजे तक दावा या आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

परिवेदना समिति की मासिक बैठक 16 को

झज्जर। सीटीएम रविंद्र मलिक ने बताया कि जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक

आगामी 16 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। बैठक सुबह 11 बजे लघु सचिवालय स्थित संवाद भवन में होगी, जिसकी अध्यक्षता हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा करेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में 15 परिवादों को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर उत्साह : जैन

बहादुरगढ़। प्रधानमंत्री सोमवार 14 अप्रैल को हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा का शुभारंभ करने आ रहे हैं। इसके अलावा वे यमुनानगर में 800 मेगावाट थर्मल पावर प्लांट की शुरुआत करेंगे। पीएम के कार्यक्रम में जाने के लिए झज्जर जिले के कार्यकर्ता भी तैयार हैं। भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ पंकज जैन ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का हरियाणा से विशेष लगाव है। वे समय-समय पर

विकासशील परियोजनाओं का शुभारंभ हरियाणा से करते हैं। जैन के अनुसार यह हवाई अड्डा हरियाणा के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में झज्जर जिले से भाजपा कार्यकर्ता शिरकत करने के लिए हिसार पहुंचेंगे। सीएम नायब सिंह सैनी की अगुवाई में पीएम नरेंद्र मोदी का हरियाणा आगमन पर भव्य स्वागत व अभिनंदन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को लेकर प्रदेश में उत्साह है।

ट्रक के आठ टायर और बाइक चोरी, केस दर्ज

बहादुरगढ़। इलाके में वाहन और वाहनों के पार्ट्स की चोरी भी नहीं थम रही। अब दो और वारदात हो गई। एक रोड़ी क्रशर स्टॉक से तो ट्रक के आठ नए टायर चोरी हो गए। जबकि एक कंपनी के बाहर से बाइक चोरी हो गई। वाहन मालिकों ने पुलिस को शिकायत दे दी है। नांगलोई के निवासी आशीष का कहना है कि वह एमआईई स्थित एक कंपनी में बिजली संबंधित काम करने आया था। रात करीब 9 बजे कंपनी से बाहर निकला तो बाइक नहीं मिली।

■ बालोर में सिद्दीपुर रोड पर वारदात

अपने स्तर पर तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। इस शिकायत पर सिटी थाने में केस दर्ज हुआ है। वहीं, सेक्टर 2 के निवासी कृष्ण का कहना है कि बालोर में सिद्दीपुर रोड पर उसका स्टॉक है। दस अप्रैल की रात को कोई ट्रक के नए आठ टायर चुरा ले गया। इस वारदात से उन्हें काफी आर्थिक हानि हुई है। सदर थाना पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

डेबिट कार्ड चोरी कर खाते से रुपये निकाले, केस

बहादुरगढ़। गांव खेड़का गुर्ज्जर में स्थित एक व्यक्ति का डेबिट कार्ड चोरी हो गया। शातिर ने कार्ड का दुरुपयोग कर खाते से रुपये भी निकाल लिए। जब फोन पर मैसेज आया तो व्यक्ति को वारदात का पता चला। उसने पुलिस को शिकायत दे दी है। बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात अनिल के साथ हुई है। अनिल का कहना है कि पिकअप गाड़ी चलाता है। उसने अपने घर के पास मंदिर के बाहर अपनी गाड़ी खड़ी की थी। इसके बाद घर चला गया और सो गया। कुछ घंटे बाद मेरे फोन पर दो हजार रुपये कटने का मैसेज आया। इसके बाद मुझे शंका हुई और गाड़ी से अपना डेबिट कार्ड लेने गया। गाड़ी में कार्ड नहीं मिला। चेक की तो गाड़ी से ईसीएम भी गायब मिला। अपने स्तर पर जांच की लेकिन कुछ पता नहीं चला। कोई अज्ञात शख्स वारदात को अंजाम दे गया है। उधर, बादली पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

■ खेड़का गुर्ज्जर के पिकअप चालक के साथ वारदात

बुजुर्गों ने कूड़े के ढेर को फुलवारी में बदला

■ मिसाल बने हरिकिशन दहिया और जयपाल सांगवान ने सेक्टर-6 में एक्यूप्रेसर ट्रैक भी बनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

एक तरफ कीबोर्ड क्रांतिकारी इंटरनेट पर लफ्फाजी में व्यस्त हैं, तो दूसरी तरफ बहादुरगढ़ के सेक्टर-6 में रहने वाले बुजुर्गों ने समाज के लिए मिसाल पेश की है। यहां दशकों से लगे कूड़े के ढेर को निजी प्रयासों से साफ करने के बाद सेवानिवृत्त बुजुर्गों ने महकती हुई फुलवारी विकसित कर दी है। इसके अलावा एक्यूप्रेशर ट्रेक का भी निर्माण किया गया है। रविवार को हवन के साथ ही इनका लोकार्पण भी कर दिया गया। पौधारोपण भी किया गया। बता दें कि सेक्टर-6 में कम्युनिटी सेंटर और डीएवी पब्लिक स्कूल के बीच पड़ी जगह ईएसआई डिस्पेंसरी और मूक बधिर बच्चों के स्कूल के लिए निर्धारित थी।

लेकिन यह कई सालों से गंदगी के ढेर में तब्दील हो गई थी। लेकिन समाज में सक्रिय 'जुबानी खर्च करने वाले समाजसेवियों' की बजाय हरिकिशन दहिया और जयपाल सांगवान ने धरातल पर परिवर्तन को साकार रूप दिया है। हरिकिशन दहिया सेना से बतौर सूबेदार और जयपाल सांगवान सिंचाई विभाग से बतौर एसडीओ रिटायर हुए हैं। दोनों ने पहले जेसीबी से इस जगह को साफ करवाया। तारबंदी कर वहां अलग-अलग प्रजातियों के सैकड़ों पौधे लगाए। कई अन्य बुजुर्गों ने भी इसमें सहयोग किया। बुजुर्गों की मुहिम रंग लाई। यहां महकती हुई फुलवारी तैयार हो गई है।

बहादुरगढ़। हवन के उपरांत पौधे लगाते रिटायर्ड बुजुर्ग।

रविवार को हवन करने के बाद किया पौधरोपण

बुजुर्गों की टीम यहां प्रतिदिन पौधों को पानी देने, उनकी कटाई-छंटाई में श्रमदान देते। आज यहां का नजारा देखते ही बनता है। फुलवारी के बीच घास का एक्यूप्रेसर ट्रैक भी बनाया गया है। इस पर शुगर के मरीज सैर कर स्वास्थ्य लाभ उठा सकेंगे। गंदगी को सुंदर फुलवारी में तब्दील करने पर करीब 3 लाख रुपए खर्च हुए हैं। इसमें से करीब 72 हजार सांगवान ने अपनी पेंशन में से खर्च किए तथा सवा 2 लाख रुपए अन्य बुजुर्गों ने संग्रह किया। बुजुर्गों द्वारा कूड़े के ढेर को हरियाली में तब्दील करके समाज के साथ ही प्रशासन के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण पेश किया गया है। रविवार को हुए हवन और पौधारोपण के दौरान पार्षद बिजेंद्र दलाल, सत्यप्रकाश छिकारा, सत्यपाल सहवाग, विजय कालीरमण, सुरेंद्र दून, आनंद शर्मा, राजकुमार अरोड़ा, कर्मबीर राठी, दलपत चौहान, शशिभूषण वर्मा व सुमित दलाल आदि मौजूद रहे।

मित्रता की सच्ची परीक्षा संकट में नहीं, उत्कर्ष में होती है। जो मित्र के उत्कर्ष को बर्दाश्त कर सके, वही सच्चा मित्र होता है।
- हरिशंकर परसाई

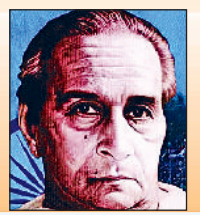

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।' 'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

कहानी
आशा खत्री 'लता'

अपने देश में

बाहर खिड़की से झांकते हुए अपने देश की शस्य- श्यामला धरती पर उगे हरे-भरे जंगलों, पहाड़ों को देखकर पिछले बहत्तर घण्टों में पहली बार उसके दिल को सुकून और मुख पर मुस्कान आयी थी। धरती पर तने नीलाम्बर को देख यूँ प्रतीत हो रहा था जैसे वह धरती का प्रहरी बन अड़ा खड़ा है। उसे लगा धरती, उस पर उगे पेड़-पौधे, आकाश और उसमें तैरते बादल, कभी पेड़ों के पत्तों और कभी बादलों के झुरमुट को उड़ाती पवन सबका आपस में गहरा रिश्ता है। सबका सुख-दुःख साझा है। दुःख, दर्द, पीड़ा, खुशी में सब एकत्रित होकर दुःखी को घेरकर ढाँढस बंधाते हैं, उसके दर्द को आत्मसात कर घटा देते हैं, बाँट लेते हैं।

विमान रनवे पर उतरने लगा था, उसे लगा कि पिछले 72 घण्टे से जिस दर्द के जाल में फँसकर वह फड़फड़ा रहा था, अब वह उसकी पकड़ से बाहर आ रहा है। माँ का हाथ थामे वह जैसे ही आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बाहर आया, उसे कई परिचित चेहरे दिखाई देने लगे। जिन्हें देख माँ के मुँह से एकाएक शब्द फूटे-

'देख हेमंत।'

'हाँ माँ देख रहा हूँ, कृष्ण चाचा, शमशेर मामा, रोहित और अभिनव को।'

'हाँ' होंठ खुलने के साथ ही माँ की आंखें भर आई। हेमंत जिसे घर में सब प्यार से हनी कहते हैं अनुभव कर रहा था कि माँ तो जैसे इन तीन दिनों में ही पचपन की यंग लेडी बहत्तर की बुढ़िया हो गयी है। पापा हमेशा माँ को यंग लेडी ही तो कहा करते थे। क्योंकि वे थी ही ऐसी, बिलकुल लड़कियों-सी। आज वही हँसती-मुस्कुराती, ऊर्जा से ओत-प्रोत यंग लेडी 72 घण्टों में ही जैसे दुःख, दर्द उदासी की प्रतिमूर्ति बन गयी हैं। इन्हीं विचारों में डूबा वह सामने खड़े रिश्तेदारों तक पहुंचा तो देखा कि मामा ने तेज कदमों से आगे बढ़कर अपनी बहन को बाहों में भर लिया। उसे भी चाचा ने जिस अपनेपन से आलिंगन में लिया, वह अपनत्व की अनुभूतियों का चरम बिन्दु था।

'क्या हुआ तेरा पापा जो चला गया, मैं हूँ ना, तुझे कभी उसकी कमी अनुभव नहीं होने दूँगा।' कृष्ण चाचा ने सरगोशी की।

'जी चाचा जी, मैं समझता हूँ आपकी भावनाओं को, आपके स्नेह को।' उसने भर्राए स्वर में कहा।

'देख हनी, वह मेरा भाई था, तू उसके जिगर का टुकड़ा था तो हम दोनों भी एक ही जिगर के टुकड़े थे, एक माँ का दूध पिया, एक माँ के पेट से जन्म लिया। वह तो भाई की विदेश जाने की जिद थी वरना हम कभी अलग नहीं रहे। उसके चले जाने का दुःख मुझे मार डाल रहा है। परन्तु मैं उसको तुझमें देख रहा हूँ और तू भी उसको मुझमें अनुभव करना बेटे।' कहते हुए शमशेर चाचा की रुलाई फूट पड़ी।

माँ मामा से लिपटकर बिलख पड़ी थी। जैसे किसी नीर से लबालब भरी नदी पर बंधा बांध टूट गया हो।

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।'

'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

'मेरे घर की खुशियों को मेरी ही नजर लग गयी भाई। पहले दिन ही तो मैंने कहा था कि भगवान ने हमें सब कुछ दे दिया। अब हमें और क्या चाहिए। भगवान ने ऐसा क्यों किया भाई, भगवान ने उन्हें इतनी जल्दी क्यों बुला लिया?'

'चुप हो जा मेरी बहन, भगवान ने जिसकी जितनी साँसें लिखी हैं हम न उनसे एक अधिक ले सकते हैं न कम।'

आते-जाते लोग हमें देख रहे थे। हम अभी उनसे बेखबर थे। अतः इसकी ओर ध्यान दिलाते दोनों चचेरे भाइयों ने हमें सहारा देते हुए गाड़ी में बैठाया। सामान वे पहले ही रखवा चुके थे।

गाड़ी में बैठने के बाद भी मम्मी, मामा से रोते-रोते बातें करती रही। उनकी रुलाई उनके रोकने के प्रयास के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रही थी। मैं जो पिछले तीन दिनों के घटनाक्रम पर माँ की चुप्पी को उनकी बहादुरी समझ रहा था। अब देख रहा था उनके बिखर जाने को। शायद यह अपनों के साथ

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था। मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

का असर था। वहाँ हम अकेले थे। पापा ने उस दिन शाम को छाती में दर्द अनुभव किया तो हमने कहा चलो आपको डॉक्टर के पास ले चलते हैं।

'नहीं, हनी अब तो अपने देश जाकर ही दिखाऊंगा।' अपने देश लौटने के उनके उत्साह के आगे हम सब बार-बार आग्रह करके भी मौन साधने को विवश हो गए। अब सोचता हूँ यह मौन हमें कितना भारी पड़ा? काश! हम पापा के उत्साह के आगे हथियार नहीं डालते। रात को ही पापा छाती में मामूली से दर्द के बाद हम सबको छोड़कर चले गए। एकाएक जो हुआ उसे देख हमारे हाथ-पाँव फूल गए। इस सबके बावजूद माँ ने हिम्मत दिखाते हुए कोमल को नन्हें कुशल के साथ कमरे में ही रहने का आदेश दे दिया।

मुझे एकाएक बुआ के बेटे सचिन का ध्यान आया जो हमसे पन्द्रह मिनट की दूरी पर ही रहता था। वही अमेरिका में हमारा एकमात्र अपना, दोस्त, खैरख्वाह था। उसे सूचना दी तो वह आधे घण्टे में ही हमारे पास पहुँच गया। परन्तु वह भी वहाँ इस तरह की स्थिति से कभी न गुजरा था। हम सब बहुत ही असहाय अनुभव कर रहे थे। मैं और माँ कभी पापा को छूते, कभी उनसे लिपटते और ईश्वर से बारम्बार प्रार्थना करते कि काश! वे अब भी पापा की सांसें लौटा दें, काश! वे अब भी उठ बैठें।

अपना देश तो सात-समंदर पार था और हम नहीं जानते थे कि इस अनजानी जगह पर हम पापा की पार्थिव देह का अंतिम संस्कार कैसे और कहाँ करें। आज यह सुन्दर और आकर्षक मुल्क हमारे लिए नितान्त अजनबी हो गया था।

इस बीच सचिन ने अपने एक दोस्त के माध्यम से एक पण्डित का पता लगा लिया, जिनसे संपर्क कर हमें आगे की कार्रवाई और पापा के संस्कार के लिए मार्गदर्शन और सहयोग मिला। उनके प्रयासों से जैसे-तैसे अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। अगले ही दिन हम तय कार्यक्रम के अनुसार भारत के लिए चल पड़े। यह भी किसी ईश्वरीय शक्ति की कृपा मैंने हम पर अनुभव की कि हमारी टिकटें पहले से बुक थी।

इस दौरान हमने जो अकेलापन अनुभव किया, वह हम माँ बेटों के लिए जीवन का सबसे कटु अनुभव था, जिसमें हमने अपनों के साथ होने की आवश्यकता को हर पल शिद्दत से महसूस किया। यही तड़प निरन्तर मन को कचोटती रही कि काश! कोई अपना आकर गले से लगा ले तो हम जी भरकर रो लें। परन्तु वहाँ ऐसा कोई न था जो हमारे इस घोर दुःख में मन का साथी बनता। यहाँ अब जब अपनों ने गले लगाया तो उनके आलिंगन की ऊष्मा ने दिलों में जमे दर्द के पत्थर को पिघला दिया। आँखें रास्ता बन गयी और वह वेग से बाहर बहने लगा।

एक घण्टे का सफर तय कर बोलते-बतियाते, उन अथाह दुखों के पलों को अपनों से साझा करते हम दोनों की हालत पहले से कुछ-कुछ ठीक हो चुकी थी। गाँव में प्रवेश किया तो लोग रुक-रुक कर, एक तरफ होकर गाड़ी को रास्ता देने लगे। उनके व्यवहार में सम्मान और अपनत्व की झलक थी जैसे सारे गाँव को पता हो कि महेश को खोकर उसके बालक गाँव लौटे हैं।

अपनी गली में मुड़े तो पूरी गली लोगों से भरी हुई थी। यहाँ भी लोगों ने बड़े स्नेह से हमारी गाड़ी को रास्ता दिया। घर के सामने पहुँचकर तो घर-कुनबे और रिश्तेदारों ने हमें घेर लिया। बुआ चाची, मौसी, भाभी, चचेरे, ममेरे, फुफेरे जैसे सब रिश्तेदार हमारा दुख बाँट लेने को आतुर थे।

बड़ी बुआ से माँ का सदैव से गहरा स्नेह रहा है उनसे लिपटकर तो माँ बिलख ही पड़ी 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी'

ऐसे द्रवित कर देने वाले उद्गारों से बुआ भी अपना धैर्य खो रही थी

'कहाँ छोड़ आई विमल मेरे भाई को, मेरे महेश को।'

'तू तो शांति रख यशवंती, इसे सम्भाल। ले पानी पी और अपनी भाभी को पिला। देख क्या हाल हो गया है इन माँ-बेटों का।' पिता की चाची ने दोनों को समझाते हुए कहा।

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था।

मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

उधर, आज विमला को यह पानी भी अमृत लग रहा था। वह भी यही मन बना रही थी कि अब वे यही रहेंगे अपने देश में, अपनों के बीच।

लघुकथा
शकुंतला अग्रवाल शकुन

भिखारी

सुरेन्द्र जी ने अपने बेटे (पियूष) की पढ़ाई-लिखाई करवाने में कोई कसर नहीं रखी थी वैसे ही बेटे ने भी मेहनत से कभी जी नहीं चुराया था। नतीजन वह सॉफ्टवेयर इन्जीनियर बन कर बैंगलौर में सेटल हो गया। कुछ दिनों बाद ही अपनी सहकर्मी से शादी भी कर ली। अपना जीवन अपनी मर्जी से जीता है, माता-पिता की कभी खैर-खबर भी नहीं लेता। माता-पिता कभी कहते कि बेटा! कुछ दिनों के लिए हमारे पास भी आ जाओ तो समयाभाव की बोल कर इतिश्री कर लेता।

आखिरकार माता-पिता ने आपसी सहमती से अपनी सारी जमापूँजी वृद्धाश्रम को दान करने का मानस बनाकर, वहीं रहने भी लगे।

जब इस बात का बेटे को पता लगा तब तुरंत चला आया, आकर पिता से बोला-

'आपकी जमापूँजी पर केवल मेरा अधिकार है, वह मुझे ही मिलनी चाहिए।'

तब पिता बोले- कौनसा अधिकार? जिसको कर्तव्य याद नहीं ,उसके द्वारा अधिकारों की माँग करना, ऐसे लगता है जैसे द्वार पर कोई भिखारी खड़ा हो।

गजल
किरण यादव

वो तो इक दीवाना है
उसको क्या समझाना है

कुछ खोना, कुछ पाना है
जग का ताना - बाना है

ये दुनिया कुछ और नहीं
एक मुसाफ़िरख़ाना है

राजा, रंक, गृहस्थ, फ़क़ीर
इक दिन सबको जाना है

अपनी तो क़िस्मत में ही
हर दिन धोखा खाना है

चांदनी केशरवानी सुगंधा

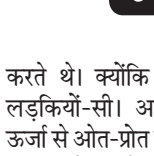

दिव्य प्रेम की धारा

अंतस में बहती जिसके बस, दिव्य प्रेम की धारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

कृष्ण साधना पूरी तब ही,जब राधे का गान हुआ।
प्रेम-दिवानी मीरा के हित,विष भी अमृत पान हुआ।
मन-नौका को प्रेम-सिंधु के, जिसने बीच उतारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

राधे के बिन सदा अधूरे,सबको ही घनश्याम दिखे।
सीता ने जब दर्पण देखा, तब तब ख़ुद में राम दिखे।
शबरी जैसे प्रबल प्रेम का ,जिसने लिया सहारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

वैदेही का त्याग-समर्पण, राम-कथा का सार बना।
सच्चाई ने छल को जीता, दीवाली त्योहार बना।
पावन प्रणय-भाव से चमके जिसका हृदय सितारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

पं. कमलकांत भारद्वाज

वक़्त ख़राब चल रहा था महंगी घड़ी ख़रीद ली
मुझे दोस्ती के लायक़ ना समझा और महोब्बत ख़रीद ली

मैं इतना परेशान हो चुका था ज़िंदगी में
सब कुछ बेच दिया और ज़हर की शीशी ख़रीद ली

मेरी नज़रों में अब गिर चुके है वो लोग
जिसने ईमान बेच दिया और सियासत ख़रीद ली

हमें अब डर नहीं लगता किसी का जनाब
हम वो हैं जिसने कफ़न बेच दिया और मौत ख़रीद ली

तवायफ़ से रूबरू हुए थे हम एक बार
पता चला कि उसने जिस्म बेच दिया और रूह ख़रीद ली

इतना रोए हैं एक शख़्स की याद में 'कमल'
नींद चैन सब बेच दिया और उसकी यादें ख़रीद ली।

राज ख्यालिया

विकास या विनाश

हरी-भरी थी धरती अपनी, पेड़ों से थी इसकी शान,
अब मशीनें चलने लगीं, कट रहे हैं सबके प्राण।

जंगल की छाँव थी जहाँ, थे पंछियों के मीठे बोल,
अब वहाँ बस शोर है, धूल और है बस कोलाहल।

भालू, हिरण, हाथी, गिलहरी सब कहाँ जाएँ?
घर उजाड़ कर उनका, हम क्या ही ऐसे पाएंगे

आईटी पार्क बनेगा, ऊँची इमारतें होंगी खड़ी,
पर किस कीमत पर? क्यों धरा पर ये ग़लती बड़ी?

कहो ये कैसा विकास है, जिसमें जीवन ही मिटे?
कैसी ये रौशनी कैसा उजाला जब साया भी कटे?

संभल जा ए खुदगर्ज इंसान, अब भी समय है,
जंगल के संग खुद को बचा यही असली विजय है।

साहित्यकार एवं कवि डा. अशोक अत्री का इस आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौती को लेकर कहना है कि आज खासतौर से हरियाणवी साहित्य बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस बात की आवश्यकता है कि साहित्य में गहन अध्ययन मनन करने से ही समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करने पर फोकस होना चाहिए, ताकि समाज में तेजी से उभरती कुरीतियों को दूर करने में मदद मिल सके।

साक्षात्कार
ओ.पी पाल

समाजहित में साहित्यिक अध्ययन का खास महत्व : डा. अशोक अत्री

साहित्य के क्षेत्र में गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे लेखक समाज को नई दिशा देने के मकसद से अपने रचना संसार को दिशा दे रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शिक्षाविद् डा. अशोक कुमार अत्री भी अपनी लेखनी से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों के अलावा प्रकृति, पर्यावरण और सभ्यता तथा रीति-रिवाजों को अपनी रचनाओं में समाहित करके संस्कृति के संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। एक शिक्षक के रूप में वे कॉलेज में सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए युवा पीढ़ी को साहित्य से जुड़े रहने सीख देकर उन्हें विशेष रूप से हरियाणवी संस्कृति के देश विदेशों में बढ़ते प्रचार एवं प्रभाव का मौका दे रहे हैं।

हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डा. अशोक कुमार अत्री ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें साहित्य समाज को सकारात्मक संदेश देने में सक्षम है। हरियाणा के कैथल स्थित आरकेएसडी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर डा. अशोक कुमार अत्री का जन्म 09 जनवरी 1974 को जींद जिले के गांव ऐचरा खुर्द में मामन राम व शांति देवी के घर में हुआ। उनका यह गांव साहित्यिक चेतना के स्थल के रूप में समृद्ध एवं प्रसिद्ध रहा है। अशोक के दादा पं ज्ञानीराम क्षेत्र के प्रसिद्ध गायक रहे हैं, तो उनकी दादी भी लोक सत्संग में लीन रहती थी। उनके पिता पं मामनराम एवं चाचा पं राजेंद्र शास्त्री रामलीला के मंजे हुए कलाकार रहे हैं। मसलन उनके परिवार में साहित्य और सांस्कृतिक माहौल रहा है लेकिन उनका साहित्यिक सफर बहुत बाद में शुरू हुआ यानी शिक्षण कार्य में आने के बाद ही उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि उन्हें लेखन करना चाहिए।

उनका पहला कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' जिसमें उनके जीवन संघर्ष से जुडी यादें समाहित है और इसकी थीम कविता 'वो दिन' एक लम्बी कविता है। इस संग्रह में जीवन के विभिन्न आयामों से सम्बंधित कविताएं शामिल हैं। विशेष रूप से हरियाणावी संस्कृति एवं उसके विभिन्न पक्षों को भी इसमें समायोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि जब उनके चचेरे भाई आनंद को उनके द्वारा लेखन करने का पता लगा, तो उन्होंने अपना पब्लिकेशन शुरू किया एवं उनके कविता संग्रह की हजारों प्रतियाँ छाप दी। उन्होंने गांव का तालाब कविता का जिक्र करते हुए बताया कि ग्रामीण समाज में तालाब गांव की जीवन रेखा होते थे, कपडे धोना, नहाना, पशुओं को नहलाना, महिलाओं के द्वारा रीति रिवाज़ सभी इससे जुड़े होते थे, लेकिन अब ये ऊझाड, बेजान पड़े हैं, कब्जाग्रस्त हैं इसलिए यह मुद्दा भी सामाजिक सरोकार से जुड़ा है। इसी प्रकार बदलते परिवेश में सामाजिक और तीज त्यौहार व रीति रिवाज की चर्चा को लेकर भी उनके लेखन का फोकस रहा है। मसलन महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' एक और अन्य महत्वपूर्ण रचना में उन्होंने समकालीन समय में गांधी के आदर्शों के प्रति जनता की उदासीनता को उजागर किया है। इसके अलावा प्रकृति से जुड़ी कविताओं में पर्यावरण की समस्या को उठाया गया है। वहीं समाज की सजगता के लिए पति-पत्नी सम्बन्धों, नौजवानों और बच्चों पर भी उन्होंने कविताएं लिखी हैं। जीवन में उतार चढ़ाव आना भी स्वाभाविक है और उनके सामने भी स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याएं उभरी और घबराहट से बचने का अलग तरीका ढूंढने लगा। कविता लेखन के साथ कहानी भी लिखना शुरू किया, तो राहत मिली। इसके बाद उनका कहानी संग्रह 'फिर सुबह' और उसके बाद कविता संग्रह 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर' प्रकाशित हुआ।

उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं, एक शिक्षक के रूप में महाविद्यालय में आज भी उनके पास सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी हैं, जिसमें महाविद्यालय राज्यस्तरीय रत्नावली कार्यक्रम का विजेता होने के कारण वह हरियाणवी संस्कृति पर ज्यादा जोर देते आ रहे हैं। नई पीढ़ी को वे विशेषरूप से सांग, रिचवल, चौपाल, नृत्य को विशेष तवज्जो एवं फुलझड़ी एवं बिंदरवाल बनाना जैसी विधाएं सिखा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. अशोक कुमार अत्री की प्रकाशित प्रमुख पुस्तकों में कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' और 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर', कहानी संग्रह 'फिर सुबह' के अलावा पुस्तक 'भारत एवं मध्य एशिया के गणराज्य' हैं। जबकि उनकी दो कृति यानी रचना 'ये कौन छायाकार है' और एवं 'यात्रा वृत्तांत' प्रकाशनाधीन है। उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं उनकी महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' भी सुर्खियों में रही है।

डा. अशोक कुमार अत्री

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार डा. अशोक अत्री को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनकी पुस्तक के लिए प्रकाशन प्रोत्साहन के लिए नकद राशि दी है, तो वहीं उन्हें साहित्य सभा कैथल से बीबी भारद्वाज समृति सम्मान, हरियाणा संस्कृत अकादमी से प्रशस्ति पत्र, अग्रवाल सभा कैथल से साहित्य सम्मान, डीएवी महाविद्यालय करनाल से सांग विधा के प्रचार प्रसार के लिए सम्मान जैसे अनेक पुरस्कार व सम्मान से नवाजा गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. अशोक कुमार अत्री
जन्मतिथि : 09 जनवरी 1974
जन्म स्थान : गांव ऐंचरा खूर्द, जींद (हरियाणा)
शिक्षा : बी.ए, बी.एड. एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
संप्रति : असिस्टेंट प्रोफेसर(राजनीतिक शास्त्र), लेखक, साहित्यकार

संस्कृति व आस्था का प्रतिबिंब 'श्री श्याम महिमा'

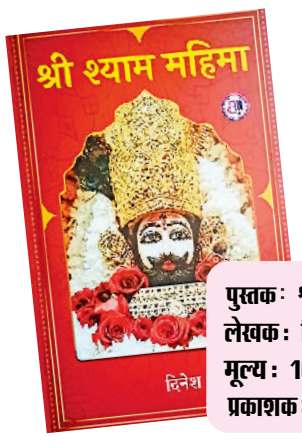

पुस्तक : श्री श्याम महिमा
लेखक : दिनेश शर्मा 'दिनेश'
मूल्य : 160 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा
ललित शर्मा

श्री श्याम महिमा दिनेश शर्मा 'दिनेश' द्वारा लिखित एक उत्कृष्ट पुस्तक है जो भारतीय संस्कृति, सभ्यता और धार्मिक आस्थाओं का संपूर्ण परिचय प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में न केवल भारत की धार्मिक धरोहरों का विस्तार से वर्णन किया गया है, बल्कि श्री श्याम के आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। अपनी गहन अध्ययनशीलता और संवेदनशीलता के साथ लेखक ने इस कृति को तैयार किया है, जो न केवल भक्तों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि सामान्य पाठकों के लिए भी उपयोगी है। पुस्तक में कुल छह खंड हैं, जो विभिन्न पहलुओं पर आधारित हैं।

भारत एक परिचय - इस खंड में लेखक ने भारत की भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की है। यह खंड भारत की विविधता, उसकी एकता और समृद्ध इतिहास का संक्षिप्त विवरण देता है।

सभ्यता संस्कृति और भारत - इस खंड में लेखक ने भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और उसके मूल्यों पर विचार किया है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, जिसमें विविध संस्कृतियों और धर्मों का समावेश है, का प्रभावी चित्रण किया गया है।

भारत के पवित्र तीर्थ एवं धाम - यह खंड विशेष रूप से तीर्थों और भारत के पवित्र स्थलों पर केंद्रित है। यहाँ लेखक ने भारत के विभिन्न तीर्थस्थलों की पवित्रता और उनके धार्मिक महत्व का वर्णन किया है। पुस्तक का यह हिस्सा पाठकों को भारत के धामों की यात्रा करवाता है।

ऐतिहासिक संदर्भों में श्री श्याम - इस खंड में श्री श्याम जी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला है। ऐतिहासिक स्रोतों और ग्रंथों के माध्यम से श्री श्याम जी के अस्तित्व और उनके योगदान का विवेचन किया गया है।

लौकिक संदर्भों में श्री श्याम - इसमें लेखक ने श्री श्याम जी के लौकिक जीवन, उनके विचारों और कर्मों के प्रति समाज में फैले विश्वास का वर्णन किया गया है।

सुप्रसिद्ध श्री श्याम तीर्थ - यह खंड विशेषकर हरियाणा के श्री श्याम के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों पर केंद्रित है। लेखक ने उन स्थलों का विशेष विवरण दिया है।

कुल मिलाकर, यह पुस्तक भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं को समझने के लिए एक आदर्श कृति है। यह पुस्तक निश्चित रूप से उन सभी पाठकों के लिए लाभकारी होगी जो भारतीय धार्मिक परंपराओं और श्री श्याम जी के आध्यात्मिक महत्व को गहराई से समझना चाहते हैं। लेखक दिनेश शर्मा को उनके इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। नरेश भारद्वाज को स्मृति चिह्न देते अश्वनी कुमार।

सनातन रक्षा दल ने बैठक में की समीक्षा

बहादुरगढ़। भगवान परशुराम मंदिर में बैसाखी के अवसर पर सनातन रक्षा दल की समीक्षा बैठक हुई। संयोजक अश्वनी कुमार बराही की अध्यक्षता में हुई बैठक में रामनवमी शोभा यात्रा की सफलता पर विचार किया। बैठक में नगेंद्र लाकड़ा, राकेश शर्मा, विक्रम भारद्वाज, अश्वनी कुमार, शोभराज, पूजा, नीतू, दीपाली, प्रदीप सिन्हा, मनोज दूहन, मास्टर प्रवीन परनाला व नरेश भारद्वाज आदि ने भाग लिया। बैठक के उपरांत सहयोगियों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। अश्वनी कुमार वंचित गरीब बच्चों को पाठ्य पुस्तक सामग्री उपलब्ध करवाने में सहयोगी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

गुमनाम शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बहादुरगढ़। शहीद यादगार कमेटी ने जलियांवाला बाग हत्याकांड की वर्षगांठ पर गुमनाम शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए आम बैठक का आयोजन शहर की छोटू राम धर्मशाला में किया। बैठक की अध्यक्षता कमेटी के उपाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने की। महासचिव राकेश वत्स ने जलियांवाला बाग हत्याकांड से जुड़ी हुई मुख्य घटनाओं का वर्णन किया। जलियांवाला बाग नरसंहार का सबसे बड़ा प्रभाव उसे समय के स्कूल और कॉलेज में जाने वाले विद्यार्थियों के दिल, दिमाग पर पड़ा। जिस कारण कालांतर में भारतीय नौजवान सभा और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के माध्यम से भगत सिंह सुखदेव, राजगुरु, भगवती चरण, चंद्रशेखर आजाद जैसे युवाओं ने अंग्रेजी सरकार की नाक में दम कर दिया। इस अवसर पर कमेटी के सदस्य पुष्पदेव, वीरेंद्र सिंह, नीरज आदि उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती आज

बहादुरगढ़। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती सोमवार को आदर व सम्मान के साथ मनाई जाएगी। बहादुरगढ़ में भी इस उपलक्ष्य में कई जगह कार्यक्रम होंगे। एसएसएस स्कॉलर लाइब्रेरी के संचालक सोरन सिंह ने कहा कि बाबा साहेब न केवल संविधान निर्माता थे बल्कि एक युगदृष्टा, समाज-सुधारक, शिक्षाविद् और वंचितों तथा शोषितों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले महान योद्धा भी थे। बचपन में उन्होंने काफी भेदभाव व परेशानी झेली लेकिन अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटे और उच्च शिषा प्राप्त की। उनका मानना था कि शिक्षा ही वह हथियार है जिससे सामाजिक बेड़ियों को तोड़ा जा सकता है।

श्रीहनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

कीजो केसरी के लाल मेरा छोटा सा ये काम, मेरे रामजी से कह दो जय श्री राम

- जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान 41 दिवसीय सुंदरकांड पाठ का समापन किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

बाबा प्रसाद गिरी महाराज के परिसर में श्रीखेड़ापति रामायण मंडल द्वारा श्रीहनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मृत्यंजय गिरी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित इस जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान 41 दिवसीय सुंदरकांड पाठ का समापन भी किया गया। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर रजनीश हरित, विपिन राज वशिष्ठ, दीपक दीक्षित, उपेंद्र शर्मा, सूबे सिंह हरित, हर्ष डोगरा आदि ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ का वाचन किया। इस दौरान लाला ताराचंद जिंदल, उमाशंकर वशिष्ठ, पंकज शर्मा, रुद्राक्ष हरित, लोकेश सैन, गर्वित, संजय परुथी, सतीश चुघ, भूषण चुघ, संजय भाटिया, विकास शर्मा, उमंग खुराना, नरेश शर्मा, चिमन लाल वर्मा, दीपक, जय शंकर वशिष्ठ, संजय मक्कड़, तरुण, संतरा, राजबाला, निर्मला, कमलेश, महेश कुमार, शीला हरित, आशा रानी, राजरानी, सिमरन भाटिया, ऊषा रानी, इशिका, प्राची, अनीता, श्रवण शर्मा, ललित सैन सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सुंदर कांड पाठ के पश्चात हनुमान अष्टक एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। रजनीश हरित ने वो तो लाल लंगोटे वाला है मां अंजनी का लाला है, शीला देवी ने तेरा कितना सुंदर नाम हो नाम मेरे बजरंगबली, हर्ष डोगरा ने कर भरोसा बाला जी पर हर संकट निपटा देगा, जय शंकर वशिष्ठ ने दुनिया में तेरा है बड़ा नाम आज मुझे भी तुझसे पड़ गया काम, पंकज ने हम तो बाबा के सहारे चलते हैं ये दुनिया वाले जलते हैं, प्रोमिला ने कीजो केसरी के लाल मेरा छोटा सा ये काम मेरे रामजी से कह दो जय श्री राम, नरेश शर्मा ने लुटा दिया भंडार काशी वाले ने कर दिया माला मॉल डमरू वाले ने भजन गाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर किया।

झज्जर। बाबा प्रसाद गिरी मंदिर में सुंदरकांड का वाचन करते हुए श्रद्धालु।

झज्जर। हनुमान चालीसा पाठ के दौरान उपस्थित श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

श्रद्धालुओं ने किया हनुमान चालीसा पाठ

झज्जर। कोसली रोड स्थित श्री आनंद आश्रम में श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया। आश्रम के महंत अजय दास महाराज ने बताया कि नियमित हनुमान चालीसा पाठ करने वाले श्रद्धालु को बजरंग बली के साथ-साथ भगवान श्रीराम का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस मौके पर अमित पंछी, अश्वनी, दीपक, हिमांशु सोलंकी, अनिल, रोशनी देवी सहित अन्य भी मौजूद रहे। इस दौरान भजनों के माध्यम से भी वीर बजरंगी की महिमा का गुणगान किया गया।

बहादुरगढ़। समापन अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देती बच्चियां। फोटो :हरिभूमि

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ समर कार्निवल संपन्न

बहादुरगढ़। एचएल सिटी स्थित एवेन्यू मॉल में आयोजित समर कार्निवल का रविवार को समापन हो गया। अंतिम दिन बैसाखी के अवसर पर बाल कलाकारों द्वारा हरियाणवीं व पंजाबी गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दी गई। रुरल एंड अर्बन डेवलपमेंट फाउंडेशन, प्राचीन कारीगर संगठन, प्रगति, अनोखी एग्जिबिशन व अन्य संस्थाओं के सहयोग से चार अप्रैल को यह कार्यक्रम शुरू हुआ था। इस दौरान नवरात्र में डांडिया उत्सव, सहित कई सांस्कृतिक गतिविधियां हुई। शिल्प गुरु राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि महिलाओं के उत्थान व उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह आयोजन किया गया था। जिसमें महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। ऐसे कार्यक्रम में मनोरंजन के साथ-साथ नई प्रतिभाओं को उबरने का अवसर मिलता है। रुडफ से अशोक कुमार प्रजापति, प्रगति से प्रियंका जैन, सुनीता गोयल मानसी गुप्ता, अनोखी एग्जिबिशन से मधु मित्तल व किरण बंसल के साथ बहादुरगढ़ के शिल्पकार परिवार मुख्य रूप से इस कार्यक्रम में सहयोग रहा।

छह खिलाड़ियों ने किया बेल्ट टेस्ट पास

बहादुरगढ़। कोच के साथ विजेता व प्रतिभागी खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

- टेस्ट का उद्देश्य छात्रों के कौशल और तकनीकी क्षमताओं का मूल्यांकन करना था

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर में स्थित जूनून कराटे डोजो में बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छह खिलाड़ियों ने टेस्ट पास किया। प्रतियोगिता में 12 छात्रों ने हिस्सा लिया। इस टेस्ट का उद्देश्य छात्रों के कौशल और तकनीकी क्षमताओं का मूल्यांकन करना था। निश्चय, भविष्य, काव्या, कीरत, निधि और भारती मानकों पर खरे उतर पाए। उन्हें अगली बेल्ट प्रदान की गई। प्रशिक्षक पंकज कुमार ने बताया कि यह टेस्ट छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और उन्हें बेहतर बनने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि जो छात्र इस बार पास नहीं हो पाए हैं, वे निराश न हों। मेहनत और नियमित अभ्यास से वे अगली बार जरूर सफल होंगे। इस कार्यक्रम में अभिभावकों और डोजो के अन्य सदस्यों की उपस्थिति ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। सफल बच्चों को प्रमाण पत्र और नई बेल्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन किया

झज्जर। भदाना गांव की चौपाल में बनाया गया रंगोली रेखाचित्र। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। क्षेत्र के गांव भदाना की चौपाल में भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा व अंशुल शर्मा ने संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के 137वीं जयंती पर उनका विशाल रंगोली रेखाचित्र बनाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस चौपाल रंगोली में पूर्व सैनिक देवीदत्त शर्मा, सूबेदार सुभाष शर्मा, राजेश्वर वशिष्ठ, रामवतार शर्मा, नरेंद्र वशिष्ठ, ओमबीर कौशिक, नसीब ठेकेदार, रमेश कौशिक, केशव शर्मा, अर्जुन शर्मा, अलीशा शर्मा, धमेंद्र मास्टर सहित अन्य भी मौजूद रहे।

शिक्षकों ने सीखे छात्रों को नई तकनीक से पढ़ाने के गुर

झज्जर। एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में चल रहे दो दिवसीय कैपस्टी बिल्डिंग प्रोग्राम के दूसरे दिन शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों नई तकनीक से पढ़ाने पर चर्चा की गई। कार्यशाला के प्रमुख प्रशिक्षक डॉ. नीरज त्यागी और आस्था ने अध्यापकों के साथ खुलकर संवाद किया। प्राचार्य सतबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन नीलम कुमारी ने बताया कि इस दौरान कक्षा कक्ष को सुव्यवस्थित करने, समय-सारणी, पढ़ाने के तौर-तरीके, अनुशासन व्यवस्था सहित अनेक सहगामी क्रियाओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने सरल शब्दों के साथ उदाहरण देकर सभी को बताया कि अध्यापक और विद्यार्थी का तालमेल दूध और पानी के मिश्रण जैसा होना चाहिए। अच्छा अध्यापक वही होता है, जो सद्व्यवहार, मृदुभाषी, सत्यवादी और अपने विषय का ज्ञाता हो। एचडी ग्रुप सचिव हेमंत गुलिया ने अपने संबोधन में कहा कि अध्यापक विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल होता है।

झज्जर। कार्यशाला के दौरान स्कूल प्रबंधन समिति सदस्यों व प्रशिक्षकों के साथ उपस्थित शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। संविधान के मूल्यों का पालन करने की शपथ लेती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

जसौरखेड़ी में समझाया संविधान का महत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

- डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान व उनके जीवन संघर्षों से छात्राओं को अवगत करवाया

जसौरखेड़ी के राजकीय महिला महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजनीतिक विज्ञान के सहायक प्रोफेसर अजय कुमार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान व उनके जीवन संघर्षों से छात्राओं को अवगत करवाया। एनएसएस प्रभारी डॉ सुनैना ने छात्राओं के लिए संविधान के संबंध में एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने संविधान की प्रस्तावना व संविधान के मूल्यों का पालन करने की शपथ ली।

इस अवसर पर डॉ. पूनम नागपाल, डॉ. सुनील, डॉ. सतेंद्र और डॉ. सुनील कुमार आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस सेवादल कार्यकर्ताओं ने की बाबा साहेब की प्रतिमा साफ

- बाबा साहेब ने लोगों को शिक्षित बनो, संगठित रहो एवं संघर्ष करो का नारा दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने रविवार को स्थानीय अंबेडकर चौक पहुंच कर बाबा साहेब की प्रतिमा की साफ-सफाई की। कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा की सफाई करने से पूर्व जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। सेवादल के जिला संयोजक रमेश जाखड़ ने कहा कि बाबा साहेब ने लोगों को शिक्षित बनो, संगठित रहो एवं संघर्ष करो का नारा दिया। उनका कहना था कि पैरों में जूते हो या ना हों, हाथों में किताब जरूर होनी चाहिए। बाबा साहेब ने अपना पूरा जीवन देश से छुआछूत मिटाने, समाज में समानता लाने व लोगों में शिक्षा की अलख जगाने में लगा दिया। इस मौके पर सूबेदार रमेश फौगाट, राजेंद्र जून, मास्टर बिजेंद्र सिंह, रमेश सैन, रमेश, रामेश्वर, कैप्टन सतवीर सिंह सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। बाबा साहेब की प्रतिमा की सफाई करने के उपरांत उपस्थित कांग्रेस सेवादल कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

श्रीसंकट मोचन युवा सेवा दल की ओर से हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

मधुर भजनों से हुआ बाबा की महिमा का गुणगान

- लोगों को सत्य व धर्म के मार्ग पर चलने को प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

श्रीसंकट मोचन युवा सेवा दल की ओर से हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में किला मोहल्ला स्थित संकट मोचन शिव हनुमान मंदिर चौक पर मेहंदीपुर बालाजी के गुणगान महोत्सव का आयोजन हुआ। दिल्ली, पंजाब व हरियाणा के गायकों ने मधुर भजनों से बाबा की महिमा का बखान किया। पिछले कई दिनों से इस कार्यक्रम की तैयारी की जा रही थी। शनिवार की देर शाम महोत्सव शुरू हुआ। मनोज व प्रियंका भारद्वाज द्वारा ज्योति पूजन किया गया। बाबा के भव्य दरबार में महोत्सव की शुरुआत धर्मेश दर्शन ने गणेश वंदना से की। दिल्ली की साक्षी चोपड़ा, विशाल शैली पटियाला, विशेष भंडेरी सोनीपत आदि ने मधुर भजन सुनाए। पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। भक्तों ने रामजी, हनुमानजी के जयकारे लगाए। अंत में प्रसाद वितरण हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज , पार्षद प्रीति भूपेंद्र, मनीषा योगेश धनखड़, पूर्व विधायक नरेश कौशिक के पुत्र हिमांशु कौशिक आदि ने शिरकत की। जयभगवान सोनी, दीपक, हरिओम मुदगिल, आनंद, युधिष्ठिर लाल चावला, महेंद्र गुप्ता, सुरेश अरोड़ा आदि भी मौजूद थे। सभी का श्री संकट मोचन युवा सेवा दल द्वारा स्वागत, अभिनंदन किया गया। बालाजी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर गणेश बाबा, पं. द्वारकेश गोस्वामी, पं. हरिओम भारद्वाज ने भक्तों को आशीर्वाद दिया। लोगों को सत्य व धर्म मार्ग पर चलने को प्रेरित किया।

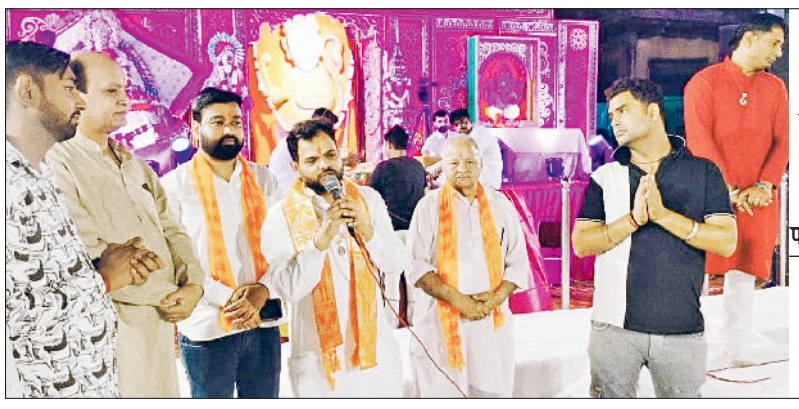

बहादुरगढ़। गुणगान महोत्सव के दौरान भक्तों को संबोधित करते भूपेंद्र राठी। फोटो :हरिभूमि

ढाणी ठेठरबाढ़ में बुजुर्ग घर से लापता

डहीना। ढाणी ठेठरबाढ़ से एक 67 वर्षीय बुजुर्ग अचानक घर से लापता हो गया। गांव निवासी राजसिंह की पत्नी ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसका पति दो साल से मानसिक रूप से परेशान चल रहा है। वह 12 अप्रैल को सुबह के समय घर से निकला था।

सूचना

मैं, मुकेश कुमार पुत्र श्री सतबीर सिंह निवासी प्लाट संख्या-127-128-ए, 21 साउथ कॉलोनी, राजेन्द्र पथ, निवारू रोड, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान-302012 बयान करता हूं कि मेरे शैक्षणिक दस्तावेज (E&CE, completed in 2003 from D.T.E, Bangalore) - DIP. CERT. REGD NO. 003219-8, 1st Yr. REGD NO. 018099-9, 2nc Yr. REGD NO. 052725-6, 3rd Yr. REGD NO. 003219-8 जो कि दिनांक 17.02.2023 को जयपुर में कही गुम हो गए जिन्हें मैंने काफी तलाश किया लेकिन मुझे कहीं भी नहीं मिले। उक्त शैक्षणिक दस्तावेजों की गुमशुदगी की ऑनलाईन रिपोर्ट मैने 04.02.2025 को राजस्थान पुलिस के ऑनलाईन पोर्टल पर दर्ज करवा दी है जिसका LR No. 26844449/2025 है। यदि भविष्य में उक्त शैक्षणिक दस्तावेज मुझे पुनः प्राप्त हो जाते है तो मैं उन्हें जमा करवा दूंगा और उनका किसी प्रकार से दुरूपयोग नहीं करूंगा।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। भंडारे में प्रसाद वितरित करते कर्मवीर राठी व गौरव राठी।

रामनगर स्थित काली मंदिर में हुआ भंडारा

बहादुरगढ़। रामनगर स्थित काली मंदिर में भंडारा आयोजित किया गया। इसमें पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी और एडवोकेट गौरव राठी ने भी शिरकत की। काली मंदिर कमेटी के सदस्यों ने सभी अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया। इस अवसर पर एस गोस्वामी, अमलेंदु घोष, बी दलाल, अर्जुन डे, देबाशीष, अविजित बनर्जी, एमके चटर्जी, तापस घोष व संसाधर आदि मौजूद रहे।

छात्र संशोधित योजना के 715 आवेदन अधूरे

झज्जर। जिला कल्याण अधिकारी श्वेता शर्मा ने बताया कि डॉक्टर बी आर अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के कुल आवेदनों में से 715 छात्रों के आवेदन पत्र अधूरे हैं। जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय द्वारा छात्रों को सूचित किया गया है कि जिन छात्रों ने उक्त योजना के लिए आवेदन किया है, वे अपने अधूरे आवेदन पत्रों को विभाग की वेबसाइट पर जाकर 20 अप्रैल तक शीघ्र पूरा करें।

मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन शुरू

झज्जर। सीईओ जिला परिषद एवं निर्वाचन अधिकारी साल्हावास मनीष फौगाट ने बताया कि पंचायत उपचुनाव 2025 के तहत खंड साल्हावास की विभिन्न पंचायतों के रिक्त पदों को भरने के लिए

मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया गया है। खंड साल्हावास की पंचायत अंबोली (वार्ड नं 5), ढाणी साल्हावास (वार्ड नं 1), गिरधरपुर (वार्ड नं 2), बिरड़ (वार्ड नं 4), कासनी (वार्ड नं 6), निलाहेड़ी (वार्ड नं 3) और जटवाड़ा (वार्ड नं 7) में रिक्त पदों को भरने के लिए यह उपचुनाव प्रस्तावित है।

बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप ने आमजन को स्वास्थ्य के प्रति किया प्रोत्साहित

सन्नी खोखर व ललिता पांडे ने जीता बीआरजी का बैसाखी रनिंग चैलेंज

प्रतिभागियों को बीआरजी की ओर से टाइटल होल्डर को ट्रॉफी और अन्य सभी फिनिशर को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। विजेता धावकों के साथ बीआरजी के सदस्य। फोटो : हरिभूम

बीआरजी (बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप) द्वारा 1 अप्रैल से वर्चुअल बैसाखी रनिंग चैलेंज का आयोजन किया गया। इसमें शहर और आस-पास के क्षेत्रों से सैकड़ों रनर्स ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। बीआरजी ने बैसाखी के पर्व को फिटनेस के प्रति जागरूकता से जोड़ते हुए आमजन को स्वास्थ्य के प्रति प्रोत्साहित किया।

दीपक छिल्लर ने बताया कि बीआरजी बैसाखी वर्चुअल रनिंग चैलेंज में प्रतिदिन 13 किलोमीटर दौड़कर या रन वॉक करके रिकॉर्ड कर भेजनी थी। इसमें तीन कैटेगरी गोल्ड, सिल्वर व ब्रॉन्ज बनाई गई। लगभग 210 स्थानीय लोगों ने इसमें भाग लिया। सन्नी खोखर ने पुरुषों में 13 दिन में ज्यादा दूरी तय की और ललिता पांडे ने महिलाओं मे ज्यादा दूरी तय करके बीआरजी बैसाखी रनिंग चैलेंज का टाइटल जीता। गोल्ड कैटेगरी में प्रतिदिन एक एक्टिविटी में 13 किलोमीटर दौड़ने वालों में सन्नी खोखर, विजय वरुण, ब्रह्मप्रकाश मान, ललिता पांडे, मोहन गोपीनाथ, दीपक छिल्लर, बादल, नरेंद्र राम, शरनम, राकेश सरण, रजत कौशिक, राजेश कुमार व लक्ष्मण शामिल थे। सिल्वर कैटेगरी में 13 किलोमीटर की दूरी प्रतिदिन दो एक्टिविटी में पूरा करने वालों में देवेंद्र किशोर प्रसाद, शलभ खरे, रमेश शर्मा, अनिल सरन, संदीप दहिया, सागर ओहल्यान, सुनील बेनीवाल, सत्यवान डागर व रणबीर सांगवान शामिल रहे। ब्रॉन्ज कैटेगरी में 1 अप्रैल को 1 किलोमीटर, 2 अप्रैल को 2 किलोमीटर करते हुए 13 अप्रैल को 13 किलोमीटर रन या वॉकिंग कर रोज रिकॉर्ड करने वालों में किरन नरुला, अमृत कौर, सरिता, अनु राठी, सुमन मलिक, दीप्ती, वंशिका, प्रीति, नीलम, सोनिया, आर्ची, नरेश शर्मा, प्रवीन सुथार, सुनील, कौशल शर्मा, नीरज छिल्लर, नितेश कुमार, राहुल शर्मा, अक्सायनी, भौमिक, रवि खत्री, अनिल राठी, प्रीतम, शमशेर, बानेश, राकेश, डीके शर्मा, भोजराज, लोकेश, षुष्कर, संदीप शर्मा, रविंद्र दहिया, संदीप बूरा, राजेश पाल, तरुण चंदेल, धर्मवीर, नवनीत दलाल, आरके मोर, नवीन राणा, अशोक, रोहतास, नरेंद्र जांगड़ा, गुलाब सिंह, परमेश, मनीष गोदारा, योगेश मोर, विजेंद्र, विनोद राठी व सचित आदि ने सफलतापूर्वक चैलेंज पूरा किया। प्रतिभागियों को बीआरजी की ओर से टाइटल होल्डर को ट्रॉफी और अन्य सभी फिनिशर को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

बहादुरगढ़। डॉ. अंबेडकर के चित्र के समक्ष दीप जलाते दिनेश कौशिक व अन्य।

भाजपाइयों ने की जटिया मोहल्ला चौपाल में सफाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बाबा साहब की जयंती पर स्वच्छ अभियान के तहत विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक रविवार को जटिया मोहल्ला चौपाल में पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा अन्य भाजपाइयों के साथ सफाई कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।

दिनेश कौशिक ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रदेश में विकास के साथ आया परिवर्तन जनता के सामने है। विपक्ष के लोग सिर्फ चुनाव के समय गांव कस्बे व शहर में जाकर लोगों को लुभावने वायदे कर उनके वोट हथियाना का प्रयास करते हैं, इसीलिए जनता ने उन्हें नकार दिया है। आज प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार है, तो विकास भी ट्रिपल गति से हो रहा है। कौशिक ने 14 अप्रैल को हिसार में होने वाले पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का न्योता भी दिया। इस अवसर पर पार्षद अश्विनी शर्मा, मंडल अध्यक्ष संजय सैनी, पूर्व अध्यक्ष ऋषि भारद्वाज, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राम अहलावत, रमेश जाटव, राजकुमार खुराना व सूरज आदि मौजूद रहे।

धार्मिक आयोजनों से समाज में भाईचारा होता है मजबूतः शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

- श्रद्धालुओं ने की एक शाम लखदातार के नाम

झज्जर। श्रीश्याम बाबा के जागरण में उपस्थित गायक एवं श्रद्धालु। फोटो : हरिभूम

शहर के सीताराम गेट स्थित सामुदायिक भवन में शनिवार देर रात एक शाम लखदातार के नाम शीर्षक से पांचवें श्रीश्याम वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। जय बाबा लखदातार मित्र मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करीब 102 वर्षीय वयोवृद्ध अमरसिंह सैनी ने श्याम बाबा की ज्योति प्रज्वलित करके किया। पंडित राजू ने मंत्रोच्चारण के साथ श्रीश्याम बाबा का पूजन कराया। जागरण के दौरान जयपुर से भजन सम्राट संजय बांगड़ा के मंच पर पंहुचते ही श्याम बाबा के जयकारों से परिसर गूंज उठा। उन्होंने साथी हमारा कौन बनेगा तुम ना सुनोगे कौन सुनेगा.., दिल्ली से साक्षी चौपड़ा ने मेरे शीश के दानी का सारे जग में डंका बाजे.., स्थानीय गायक योगेश रंजन ने थारी जय हो पवन कुमार मैं वारि जाऊ बाला जी.., आज हनुमान जयंती है, ऐसा लगता है सारे संसार में मस्ती है,..भजन की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया।

कार्यक्रम में कैबिनट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा ने मुख्यतिथि के रूप से शिरकत करते हुए बाबा के दरबार में माथा टेका। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा बढ़ता है। इसके अलावा धार्मिक आयोजनों की भागीदारी युवा वर्ग को नशे आदि की बुरी लत से भी दूर रखने में सहायक होती है। उन्होंने स्वयं भी श्याम बाबा के भजन की चंद लाइनें सुना कर बाबा की महिमा सुनाई।

विजेता शतरंज खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

दा बहादुरगढ़ चैस एसोसिएशन द्वारा पहली बीसीए झज्जर डिस्ट्रिक्ट इंटर स्कूल शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें झज्जर जिले के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के 120 खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में भाग लिया। पटेल नगर में स्थित श्री रामा भारती पब्लिक स्कूल में हुई प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रिंसिपल प्रिया सांगवान ने किया।

एसोसिएशन के प्रेसिडेंट नवीन दूहन ने बताया कि प्रतियोगिता फीडे लॉ ऑफ चैस और फीडे स्विस सिस्टम के अनुसार 5 राउंड्स में खेली गई। अंडर-9 लड़कियों में केआर मंगलम की प्रांजल शर्मा प्रथम, सैनिक पब्लिक स्कूल की सोनल चोपड़ा ने द्वितीय और श्री रामा भारती पब्लिक स्कूल की हैप्पी छिकारा तृतीय रही। लड़कों में हरदयाल पब्लिक स्कूल के जैतिक दूहन पहले, श्री रामा भारती पब्लिक स्कूल के रायांश छिल्लर दूसरे और रेयांश रंजन तीसरे नंबर पर रही।

अंडर-11 लड़कियों में प्रथम स्थान अनन्या शर्मा, दूसरा स्थान विजया स्कूल की अनन्या कुमारी और तीसरा स्थान श्री रामा भारती की एशावी ने हासिल किया। लड़कों में रामा भारती के तक्ष पांचाल पहले, केआर मंगलम के भोमें कटारिया दूसरे और आरईडी स्कूल झज्जर के वंशदीप तीसरे नंबर पर रहे। अंडर-13 लड़कियों में विजया स्कूल की मानवी गोयल प्रथम, रामा भारती की चारु पांचाल द्वितीय और एंजेल तीसरे नंबर पर रही।

लड़कों में डीएवी के हेमंग महलावत पहले, हरदयाल के अंश कुमार दूसरे और रामा भारती के प्रणव कौशिक तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-15 लड़कियों में एसआर सेंच्युरी स्कूल की शिवि गोयल पहले, सेंट स्टीफन इंडियन स्कूल की खुशी गोयल दूसरे और रामा भारती की अल्पना गुप्ता तीसरे नंबर पर रही। लड़कों में डीएवी झज्जर के ईशान डागर ने पहला, विजया स्कूल के गौरव सिंह ने दूसरा और केआर मंगलम के स्वास्तिक दहिया ने तीसरा स्थान पाया।

अंडर-17 लड़कियों में आसोदा सरकारी स्कूल की गौरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लड़कों में रामा भारती के अनंत बल्हारा ने प्रथम, आर्यन सिंह ने द्वितीय और पुलकित ने तृतीय स्थान हासिल किया। मुख्य अतिथि रामकुमार दुहन ने हर आयुवर्ग के टॉप सिक्स विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर एसोसिएशन के महासचिव संदीप कुमार निमावत, निर्णायक कमेटी के सदस्य प्रदीप चोपड़ा, रूबी नरवाल और कप्तान पांचाल आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। केंद्र के शुभारंभ अवसर पर मौजूद पदाधिकारी व ग्रामीण। फोटो : हरिभूम

सूर्या कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र शुरू

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के अंतर्गत गांव सांखोल में सूर्या कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। कंप्यूटर शिक्षा के महत्व को समझते हुए सूर्या फाउंडेशन ने इस प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की है। फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन हेमंत शर्मा, योजना प्रमुख प्रमोद आसरे, मनोज सोमवंशी व भंवर सिंह आदि ने बताया कि केंद्र में गांव के बच्चों को कंप्यूटर की शिक्षा दी जाएगी। यह प्रयास बच्चों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में मदद करेगा। इस मौके पर शिव कुमार राजवाडे, कवल कुमार, श्याम महानारायण, लाल बाबू राजू, विनोद, मोहित, कोमल, नीति, अशोक, रमेश और एमके सांगवान आदि मौजूद रहे।

हवन में आहुति डालकर मनाया स्थापना दिवस

झज्जर। आरईडी विद्यालय छुछकवास में अपने 38वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में इंटर ब्रांच स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स मीट में विद्यालय की छुछकवास, झज्जर और दादरी शाखा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षकों व विद्यार्थियों ने हवन में आहुति डालकर की। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई। छुछकवास शाखा ने विद्यालय की 38 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को दर्शाते हुए बताया कि किस प्रकार यह संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। झज्जर शाखा ने अपने कार्यक्रम के माध्यम से बताया कि जिले में शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय ने कैसे सकारात्मक परिवर्तन लाते हुए विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ा है। दादरी शाखा ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से सभी अभिभावकों एवं अन्य सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनकी सहायता से विद्यालय निरंतर उन्नति कर रहा है। आरईडी के निदेशक जितेंद्र अहलावत ने अपने संबोधन में बताया कि कैसे 38 वर्ष पहले इस विद्यालय की स्थापना हुई और कैसे एक ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का दीप जलाकर इसे एक प्रतिष्ठित संस्थान बनाया गया।

झज्जर। स्थापना दिवस पर आयोजित हवन कार्यक्रम में उपस्थित संस्थान निदेशक, शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़ खंड के स्कूलों में चलाया जांच अभियान

बहादुरगढ़। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी (डीईईओ) वीरेंद्र मलिक के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत ब्लॉक के निजी स्कूलों की जांच का क्रम जारी है। निजी स्कूलों के भौतिक सत्यापन के लिए गठित टीमों से प्राप्त रिपोर्ट्स के आधार पर कुछ स्कूल मान्यता संबंधी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जिस कारण उन्हें गैर-मान्यता प्राप्त स्कूलों की श्रेणी में रखा गया है। डीईईओ वीरेंद्र मलिक ने बताया कि कई स्कूल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम और हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर रहे हैं। ऐसे स्कूलों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। यदि वे निर्देशों का पालन नहीं करते, तो उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की जाएगी और बंद करने की कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि ऐसे स्कूलों में शास्त्री नगर का लिटिल स्टार पब्लिक स्कूल, नेस्ट प्राइमरी स्कूल, निजामपुर रोड का श्रीराम प्राइमरी स्कूल, छोटूराम नगर का वंदना कॉन्वेंट स्कूल, नई बस्ती का जॉली जूनियर प्ले स्कूल, रोहतक रोड का बिरला ओपन माइंड, अर्चना कोचिंग सेंटर, हरे कृष्णा प्ले स्कूल, बलजीत नगर का न्यू हैप्पी चाइल्ड, मिडफील्ड स्कूल, शाइनिंग स्टार स्कूल, एसबीडी किड्स वर्ल्ड स्कूल, पटेल पार्क का लॉर्ड कृष्णा प्ले स्कूल, लिटिल स्टेप प्ले स्कूल, रानी लक्ष्मी बाई स्कूल, नेताजी नगर का गणपति पब्लिक स्कूल, 22 फुटा रोड का वंडर विंग्स स्कूल, राधे राधे पब्लिक स्कूल, सीआरएम स्कूल, ध्रुव लिटिल स्कूल, पटेल नगर का गोपाल मेमोरियल स्कूल और अशोक नगर का ग्रेट मॉडर्न स्कूल शामिल हैं। डीईईओ ने बताया कि यह जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा। शिक्षा विभाग का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण और नियम-अनुरूप शिक्षा सुनिश्चित करना है।

बहादुरगढ़। अनिल खत्री का स्वागत करते खिलाड़ी और खेलप्रेमी। फोटो : हरिभूमि

खिलाड़ियों को उन्नत सुविधाएं देगा ओलंपिक संघ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

हरियाणा ओलम्पिक संघ के उपप्रधान अनिल खत्री का गुरूग्राम की चैम्पियंस एक्वेटिक एकेडमी में जोरदार स्वागत किया गया। अंतर अकादमी प्रतियोगिता में बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे अनिल खत्री का तैराकों और अभिभावकों ने जोरदार स्वागत किया। उन्होंने सभी विजेता तैराकों को सम्मानित भी किया।

अनिल खत्री ने बताया कि हरियाणा ओलम्पिक संघ अब नए सिरे से खेल और खिलाड़ियों के उत्थान में जुट गया है। जल्द ही इसके सकारात्मक परिणाम सबके सामने आएंगे। खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन के साथ उनकी डाइट और कोच की उपलब्धता को सटीक बनाने का काम भी संघ कर रहा है। खिलाड़ियों के ट्रायल से लेकर प्रतियोगिता में भाग लेने, मैडल जीतने पर पुरस्कार राशि और प्रमाण पत्र मिलने तक की सारी व्यवस्था को बेहतर किया जाएगा। इस दौरान हरियाणा तैराकी संघ के उपप्रधान रवि सिंगार और सदस्य सुरेश जून भी मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

राह चलते लोगों के साथ हो रही ठगी की वारदातें

बहादुरगढ़। इलाके में लोगों को बातों में उलझाकर ठगने वाला गिरोह सक्रिय है। पिछले कुछ महीनों में यहां कई वारदात हो चुकी हैं। हैरानी की बात ये कि वारदात के बाद आरोपी पुलिस के हाथ नहीं आ पाते। ऐसी अधिकांश वारदात अनसुलझी हैं। हाल ही में शनिवार को यहां देवीलाल पार्क के पास फूल कुंवार के साथ वारदात हुई। स्कूटी पर सवार होकर आए शातिरों ने स्कीम का बहाना बनाकर उनको बातों में उलझाया और सोने का कड़ा ले गए। सप्ताहभर पहले भी यहां एक बैंक के अंदर दो शातिरों ने बुजुर्ग को बातों में उलझाया और बाहर ले गए। फिर गुमराह कर रुपये ठग ले गए। इससे पहले यहां मेन बाजार, कमेटी चौक, रेलवे रोड, रोहतक-दिल्ली रोड, झज्जर रोड, नजफगढ़ रोड सेक्टर 6, पुराना बस स्टैंड सहित कई जगह इस तरह की वारदात हो चुकी हैं। आमतौर पर बुजुर्ग या अधेड़ उम्र के लोगों को निशाना बनाया जाता है। किसी मामले में पीड़ित को लॉटरी अथवा स्कीम का झांसा दिया गया है तो किसी मामले में नशीला पदार्थ सुंघा दिया गया। कई ऐसे मामले रहे जिनमें नकली नोटों की गड्डी दिखाकर लोगों को चपत लगाई गई। अधिकांश मामलों में जागरूकता का अभाव या प्रलोभन बड़ी वजह रही। इन मामलों में एफआईआर दर्ज होती है और पुलिस सीसीटीवी फुटेज चेक करती है लेकिन वारदात नहीं सुलझ पाती। अधिकांश मामले अनसुलझे हैं। हालांकि पुलिस द्वारा लोगों को जागरूक किया जाता है। लेकिन फिर भी वारदात हो जाती हैं।

स्कॉलरशिप टेस्ट में 1167 विद्यार्थियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। संस्कारम विश्वविद्यालय में स्कॉलरशिप टेस्ट देते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

संस्काम विश्वविद्यालय में आयोजित स्कॉलरशिप टेस्ट में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 1167 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने बताया कि झज्जर के अलावा रोहतक, भिवानी, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, चरखी दादरी, पानीपत, कैथल व गुरुग्राम से आए विद्यार्थियों के लिए यह परीक्षा न केवल विश्वविद्यालय का शैक्षिक प्रयास थी, बल्कि ग्रामीण युवाओं के सपनों को पंख देने का एक सशक्त प्रयास भी सिद्ध हुई।

परीक्षा में सम्मिलित अधिकांश विद्यार्थियों ने हाल ही में 12वीं की परीक्षा दी है। अपने बच्चों को परीक्षा दिलाने पहुंचे ग्रामीण अभिभावकों का कहना रहा कि उनके गांव में ऐसी सुविधाएं नहीं हैं, लेकिन संस्कारम विश्वविद्यालय आकर लगा कि हमारे बच्चों को भी अब वो हर मौका मिलेगा जो बड़े शहरों में रहने वाले बच्चों को मिलता है। रेवाड़ी जिले के छात्र मोहित ने बताया कि वह फार्मेसी में अपना करियर बनाना चाहता है। इस यूनिवर्सिटी में फार्मेसी से रिलेटेड सभी लैब उसे बहुत पसंद आईं। गुरुग्राम की वैष्णवी ने कहा कि वह कंप्यूटर साइंस में अपना करियर बनाना चाहती है।

चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि संस्कारम विश्वविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि एक मिशन है। इसका उद्देश्य है ग्रामीण प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाना है। यहां के वातावरण की एक विशेष बात यह भी है कि शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उसे जीवन-कौशल, तकनीक, शोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ा गया है।

अभिभावकों को दिए अपने संदेश में उन्होंने कहा कि संस्कारम विश्वविद्यालय आपके बच्चों के उन सपनों का घर है, जो संसाधनों के अभाव में अधूरे रह जाते हैं। हमारा यह स्कॉलरशिप टेस्ट प्रोग्राम इस विश्वास के साथ चल रहा है कि ग्रामीण भारत के मेधावी छात्र किसी भी अंतरराष्ट्रीय छात्र से कम नहीं हैं। चाहे कोई बच्चा कितनी भी आर्थिक कठिनाई में क्यों न हो, उसकी शिक्षा कभी बाधित नहीं होगी।